POLITICAL SCIENCE Dept.
B.A.-I (Hons.), Paper-I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

स्वतंत्रता (Liberty)

मनुष्य के व्यक्तित्व के विकास के लिए स्वतंत्रता का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। मनुष्य का सम्पूर्ण भौतिक, मानसिक एवं नैतिक विकास स्वतंत्रता के वातावरण में ही सम्भव है। बर्ट्रेण्ड रसेल के अनुसार "स्वतंत्रता की इच्छा व्यक्ति की एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है और इसी के आधार पर सामाजिक जीवन का निर्माण सम्भव है।" मैजिनी के शब्दों में "स्वतंत्रता के अभाव में आप अपना कोई कर्तव्य पूरा नहीं कर सकते। अतएव आपको स्वतंत्रता का अधिकार दिया जाता है जो भी शक्ति आपको इस अधिकार से वंचित रखना चाहती है, उससे जैसे भी बने, अपनी स्वतंत्रता छीन लेना आपका कर्तव्य है।"

इसप्रकार हम देखते हैं कि स्वतंत्रता आधुनिक युग में सबसे लोकप्रिय शब्द है। प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्रता का अलग-अलग अर्थ लेता है। अधिकांश मनुष्य स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी करने से या बिना किसी दूसरे व्यक्ति के हस्तक्षेप के अपनी इच्छानुसार कार्य करने से लेते हैं। इस सम्बंध में मैकेंजी का मानना है कि "स्वतंत्रता सभी प्रकार के प्रतिबन्धों का अभाव नहीं, अपितु अनुचित प्रतिबंधों के स्थान पर उचित प्रतिबंधों की व्यवस्था है।"